पुल का निर्माण गुजरात, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, पंजाब, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ की भागीदारी

गांधी सेतु को छह राज्यों से लोहा ले रहा बिहार

जागरण विशेष

भुवनेश्वर वात्स्यायन • पटना

43,372 मीट्रिक टन लोहा लगाया जाना है

39,835 मीट्रिक टन पहुंचने वाला है

बिहार के लिए यह पहला अवसर है जब यहां किसी आधारभूत संरचना के निर्माण में एक-दो नहीं आधा दर्जन राज्यों की दिग्गज कंपनियां लोहा बनाने में लगी है। तैयार लोहे का फैब्रिकेशन भी बिहार में संभव नहीं सो देश के अलग-अलग राज्यों में यह काम हो रहा। गांधी सेतु की पूरी संरचना स्टील की बनाई जानी है। लोहा इतना लगना है कि वह किसी एक उत्पादक के बूते की बात नहीं।

43372 मीट्रिक टन लोहे का ऑर्डर दिया जा चुका : पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव अमृत लाल मीणा का कहना है कि गांधी सेतु के संपूर्ण स्टील स्ट्रक्चर के लिए अब 43372 मीट्रिक टन लोहे का ऑर्डर दिया जा चुका है और अपडेट यह है कि 41143 मीट्रिक लोहे का उत्पादन अलग-अलग फैक्ट्रियों में किया जा चुका है। इनमें से 39,835 मीट्रिक टन लोहा पटना के लिए डिस्पैच हो गया है। मिशन जुलाई के तहत इस लक्ष्य पर काम हो रहा कि एक लेन इस वर्ष जुलाई में परिचालन के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा।

इन राज्यों में तैयार हो रहा गांधी सेतु का लोहा : गांधी सेतु के लिए गुजरात के हजीरा स्थित एस्सार के स्टील प्लांट से 13845 मीट्रिक टन, उड़ीसा के राउरकेला स्थित सेल के प्लांट से 13286 मीट्रिक टन, उड़ीसा के अंगुल स्थित जेएसपीएल के प्लांट से 10138 मीट्रिक टन, छत्तीसगढ़ के रायगढ़ स्थित जेएसपीएल प्लांट से 4362 मीट्रिक टन, गुजरात के अंजार स्थित वेलस्पन के प्लांट से 1749 मीट्रिक टन लोहा मंगाया जा रहा।

फैब्रिकेशन के काम भी बिहार से बाहर हो रहे : गांधी सेतु के संपूर्ण स्टील स्ट्रक्चर के लिए तैयार लोहे के फैब्रिकेशन का काम भी बिहार से बाहर कराया जा रहा है। इसके कोलकाता के टेक्समाको, भिलाई के एटमास्टको, चेन्नई के आइसीई स्टील-1 तथा राजपुरा के एआइएमएल सहित यूपी के यमुना नगर तथा पंजाब के अंबाला में कराया जा रहा। दस पीयर के लिए ट्रस का फैब्रिकेशन पूरा किया जा चुका है। फैब्रिकेशन के बाद लोहे को पटना लाकर उसे यहां जोड़ा जाता है। अब पांच पीयर का काम पूरा हो चुका है।